



रयत शिक्षण संस्था संचलित

महात्मा फुले महाविद्यालय,पिंपरी,पुणे-17

हिंदी विभाग (2019-20)

टी.वाय.बी.ए.(G-3)

(सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय,पुणे)

पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम : कार्यक्रम संयोजन कौशल

-प्रस्तुति-

डॉ.कामायनी गजानन सुर्वे

सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग

कार्यक्रम संयोजन कौशल

कार्यक्रम संयोजन से तात्पर्य

किसी घरेलू, व्यावसायिक, सरकारी, गैर-सरकारी, महाविद्यालयीन, सामाजिक या अन्य कार्यक्रम की सुचारू प्रस्तुति हेतु विविध लोगों, संगठनों तथा इकाइयों का एकत्रित समन्वयन तथा कार्यान्वयन कार्यक्रम संयोजन कहलाता है।



कार्यक्रम संयोजन के उद्देश्य

- कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न कराना
- अधिकतर लोगों तक अच्छे ढंग से पहुँचना
- जनसंपर्क तथा विपणन
- मानवीय रिश्ते मजबूत बनाना
- आनंदोपलब्धि



कार्यक्रम संयोजन की व्याप्ति



प्रभावी कार्यक्रम संयोजन हेतु आवश्यक बातें

- संघ भाव (Team Work)
- सृजनशील सोच(Creative Thinking)
- कार्यक्रम की रूपरेखा(Design of Event)
- प्रभावशाली नेतृत्व(Strong Leadership)



कार्यक्रम संयोजन की इकाइयाँ

- बजट बनाना एवं समयसीमा तय करना
- कार्यक्रम का स्थान निश्चित करना
- जरूरी अनुमतियाँ प्राप्त करना
- परिवहन तथा पार्किंग व्यवस्था
- कार्यक्रम पत्रिका
- आवश्यकतानुसार उपाहार व्यवस्था
- विपणन साधन (विज्ञापन आदि)



कार्यक्रम पत्रिका :प्रारूप (शैक्षिक कार्यक्रम)

संगठन का नाम

विभाग/अनुभाग का नाम(वर्ष का उल्लेख)

समय : स्थान : दिनांक :

- दीपप्रज्वलन एवं पुष्पांजलि : ----------
- स्वागत गीत गायन : ----------
- प्रास्ताविक : ----------
- प्रमुख अतिथि का परिचय : ----------
- सम्मान : ----------
- प्रमुख अतिथि का मंतव्य : ----------
- अध्यक्षीय मंतव्य : ----------
- कृतज्ञता ज्ञापन : ----------
- राष्ट्रगीत : ----------

प्रभावी कार्यक्रम संयोजन का एक भाग : सूत्रसंचालन

सूत्रसंचालक के गुण

- भाषा पर अधिकार
- समयसूचकता
- आत्मविश्वास
- शैलीबद्ध वक्तृत्व
- आवाज में आरोह-अवरोह एवं विनम्रता
- सामान्य ज्ञान
- दर्शकों की रूचि बढ़ाने हेतु समुचित काव्यपंक्तियाँ/ चुटकुले/घटना-प्रसंग का संक्षिप्त उल्लेख करने की क्षमता
- समय व्यवस्थापन
- कार्यक्रम पत्रिका की क्रमबद्धता की ओर ध्यान
- सुस्पष्ट एवं शुद्ध उच्चारण




धन्यवाद!
****